भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.02.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 887 का उत्तर

सिलचर रेलवे स्टेशन पर अतिथि गृह/विश्राम गृह

887. श्री परिमल शुक्ला बैद्य:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार यात्रियों की सुविधा के लिए सिलचर रेलवे स्टेशन पर अतिथि गृह/विश्राम गृह का निर्माण करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार सिलचर में रेल कर्मचारियों के लिए आवास की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है और यदि हां, तो कितने नए रेल कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण किए जाने का प्रस्ताव है; और

(ग) क्या सरकार सिलचर लोकल रेलगाड़ियों को डेमू रेकों में परिवर्तित करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो उक्त प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/उन्नयन निरन्तर और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किया जाता है।

असम राज्य में स्थित सिलचर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए तीन विश्राम कक्ष (डबल बेड वाले) और एक शयनगृह (छह बेड वाला) मौजूद हैं। हाल के वर्षों में सिलचर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं से संबंधित विभिन्न कार्य निष्पादित किए गए हैं, जिनमें प्लेटफ़ॉर्म की सतह बढ़ाना, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पहुँच मार्ग, लिफ्टों का प्रावधान आदि शामिल है।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सिलचर रेलवे स्टेशन को विकसित किए जाने के लिए चिह्नित किया गया है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में मास्टर प्लान तैयार करना तथा उनका चरणबद्ध क्रियान्वयन कर स्टेशनों का सुधार शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर पलानिंग में शामिल हैं:-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। जिनमें से 50 स्टेशन असम राज्य में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत असम राज्य में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
असम	50	अमगुरी, अरुणाचल, चापरमुख, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, दीफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जंक्शन, गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाई गांव हॉल्ट, गुवाहाटी, हैबरगांव, हरमुती, होजाई, जगीरोड, जोरहाट टाउन, कामाख्या, कोकराझार, लंका, लेडो, लामडिंग, माजबाट, माकुम जंक्शन, मार्गोरिटा, मारियानी, नुरकंगसेलेक, नाहरकटीया, नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू बोंगाईगांव, न्यू हाफलंग, न्यू करीमगंज, न्यू तिनसुकिया, उत्तरी लखीमपुर, पाठशाला, रंगापाड़ा नार्थ, रंगिया जंक्शन, सरूपथार, सिबसागर टाउन, सिलापथार, सिलचर, सिमालुगुड़ी, तंगला, तिनसुकिया, उदालगुड़ी, बिश्वनाथ चारआली

इस समय हयबरगांव स्टेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है। अन्य कुछ स्टेशनों के कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

माजबाट स्टेशन: प्रवेश प्रांगण, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पहुंच मार्ग, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म का विस्तार, एक्जिक्यूटिव लाउंज का प्रावधान, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड और रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड का संस्थापन, जल निकासी बेहरत बनाने सहित नए स्टेशन बिल्डिंग ब्लॉक संबंधी कार्य पूरे हो चुके हैं। लिफ्ट के प्रावधान के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है।

बिश्वनाथ चारआली: प्रवेश प्रांगण, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पहुंच मार्ग, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म का विस्तार, प्लेटफार्म शेल्टर का प्रावधान, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड और रेलागाड़ी संकेतक बोर्ड का संस्थापन कार्य सहित नए स्टेशन बिल्डिंग ब्लॉक संबंधी कार्य पूरे हो चुके हैं। लिफ्ट के प्रावधान और दिव्यांगजन मार्ग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

धुबड़ी स्टेशन: नए स्टेशन भवन का कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म की सतह सहित नए उच्च स्तरीय प्लेटफार्म (प्लेटफॉर्म 2 और 3) के प्रावधान सहित नए स्टेशन भवन के कार्य पूरे हो चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल के गर्डर लांचिंग का कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, शौचालय ब्लॉक, पोर्टिको और चाहरदिवारी का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सिलचर स्टेशन के विकास हेतु मास्टर योजना का कार्य शुरू किया गया है। यह एक पुनरावृत्त प्रक्रिया है जिसके लिए इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है तथा इस प्रकार के इष्टतमीकरण के लिए इस चरण पर कोई समय-सीमा इंगित नहीं की जा सकती।

वर्तमान में, सिलचर रेलवे स्टेशन पर 175 रेल क्वार्टर उपलब्ध हैं, सभी क्वार्टर का रेल कर्मचारी द्वारा अधिभोग किया जा रहा है। रेलवे ने अतिरिक्त 100 कर्मचारी क्वार्टरों की आवश्यकता को

चिन्हित किया है, जिनमें से प्रथम चरण में 22 नए क्वार्टरों के निर्माण के लिए कार्य निष्पादन हेतु कार्रवाई की गई है।

वर्तमान में सिलचर स्टेशन को निम्नलिखित 30 रेल सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है:

क्र. सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	12507/08 तिरुवनंतपुरम-सेंट्रल-सिलचर एक्सप्रेस
2	12513/14 सिकंदराबाद-सिलचर एक्सप्रेस
3	12515/16 कोयम्बत्तूर-सिलचर एक्सप्रेस
4	13175/76 सियालदह-सिलचर कंचनजंघा एक्सप्रेस
5	14037/38 सिलचर-नई दिल्ली पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस
6	15611/12 रंगिया-सिलचर एक्सप्रेस
7	15615/16 गुवाहाटी-सिलचर एक्सप्रेस
8	15641/42 सिलचर-न्यू तिनसुकिया बराक ब्रह्मपुत्रा एक्सप्रेस
9	15663/64 अगरतला-सिलचर एक्सप्रेस
10	55661/62 महिषासन-सिलचर पैसेंजर
11	55665/66 सिलचर-वंगाईचुंगपाऊ पैसेंजर
12	55667/68 सिलचर-बइरबी पैसेंजर
13	55677/78 सिलचर-धर्मनगर पैसेंजर
14	55685/86 महिषासन -सिलचर पैसेंजर
15	55687/88 दुल्लभछड़ा-सिलचर पैसेंजर

बहरहाल, भारतीय रेल में पैसेंजर रेलगाड़ियों को मेमू/डेमू सेवाओं में परिवर्तित करना सतत प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, मेमू/डेमू रेक की उपलब्धता, प्रतिस्पर्धी माँग आदि जैसे कारकों पर निर्भर है।

******